YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

www.navbharattimes.com > महानगर > मुंबई > मंगलवार, 1 मार्च 2016

'अच्छे दिन' की मिली जुली उम्मीद

जेटली जी के इस बजट के बारे में इतना ही कहा जाएगा कि मोदी सरकार ने विकास की दिशा और आर्थिक रूप से कमजोर तबके को संपूर्ण व समग्र सहयोग देकर दूरदर्शितापूर्ण कदम उठाया है। गांव, किसान, खेती और ढांचागत सुविधा से ही तो नवभारत की संकल्पना पूर्ण हो सकेगी। गरीबों को रसोई गैस, हर परिवार को एक लाख रुपए का मेडिक्लेम, ग्राम पंचायत व नगरपालिकाओं के लिए 2.87 लाख की सहायता व किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य मोदी सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। वेतनभोगियों के लिए आवास रियायत सुखद अहसास लाएगी।

डॉ.राजेंद्र प्रताप सिंह, उद्योगपति, योगायतन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज

जेटली का यह बजट छद्म, राजनीति प्रेरित और संभव न होने वाली योजनाओं से भरा हुआ है। कागज पर भले ही यह गरीबों, किसानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को लुभाता हो, लेकिन देश की सबसे बड़े मध्य वर्ग के लिए इसमें केवल 'बाबाजी का ठुल्लु ही है।' प्रफेशनल्स के साथ भी अन्याय हुआ है। डॉक्टर, वकील, सीए इत्यादि को प्रतिवर्ष 50 लाख से कम फीस पर 50% को आधार बनाकर 5.75 लाख का टैक्स चुकाना होगा, जबकि इतनी ही आय पर बिजनेसमैन केवल 13 हजार देगा। पीएसयू बैंकों को रीकैपिटलाइजेशन के लिए मात्र 25 हजार करोड़ देने का कदम बैंकों को ऋण बांटने से हतोत्साहित करना ही होगा। गैरबीजेपी शासित राज्यों में होने वाले चुनाव के मद्देनजर बनाया गया यह बजट पूरी तरह हवाई है।

उत्तम प्रकाश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष (आईसीएआई)

व्यापारियों को पूरी तरह निराश करने वाला बजट। अभी डेढ़ साल पहले सर्विस टैक्स 12.5% था, जो अब 15% हो गया है। हर बाजार मंदी के दौर से गुजर रहा है। रेडीमेड गारमेंट्स महंगे होने से इस क्षेत्र में व्यापक असर होगा। कच्चे तेल में हो रही गिरावट का लाभ व्यापारी वर्ग को देकर पूरे बाजार को नई दिशा देने का एक शानदार अवसर इस सरकार ने खो दिया।

कमलनयन बजाज, बजाज ओवरसीज लि.

पूरे बजट में हर चीज महंगी हुई सिर्फ बीड़ी को छोड़कर। यानी संदेश साफ है कि बीड़ी पियो और मजा करो। बजट के बाद कोई अंध भक्त ही कहेगा कि यह पूंजीपतियों की सरकार नहीं है। इसमें कहीं दूरगामी योजनाएं नहीं हैं। बस अगले सालों में होनेवाले चुनाव के नजरिये इसे बनाया गया है। किसानों को इस धोखे का पता बाजार में खरीदी के लिए जाने पर पता चलेगा।

गजेंद्र भंडारी, ऑल महाराष्ट्र स्टोन डीलर्स असोसिएशन